केजुअल लेबरर्स के बारे में भी हमें दर्द है। केजुअल लेबरर और टेम्प्रेरी लेबरर जो कि 5–20 साल से चले आ रहे हैं उनको भी प्रोटेक्शन देने के बारे में हम कुछ करने वाले हैं। कांट्रेक्ट लेबरर सिस्टम को भी हम अबालिश करने की सोच रहे हैं। हिन्दुस्तान का जो मजदूर है उसको पूरे तरीके से प्रोटेक्शन देने के लिए हम सोच रहे हैं। इस सोचने में आप वायलेंस की बात कहां से ले आये? पूरी कांफ्रेंस की बात को आपने देखा होगा और उसको देखते हुए वायलेंस की बात करना ठीक नहीं है।

कांफ्रेंस में जो डिसीजन ले लिये गये हैं, लेबर मिनिस्टर्स ने जो डिसीजन लिये हैं उन डिसीजनों पर कानून पार्लियामेंट में बहुत जल्दी आने वाला है। ऐसा तो नहीं कि प्रिन्टिंग प्रेस में दे कर ही यहां कानून आ जाएगा। कानून जो बनाता है उसके लिए स्टेट गवर्नमेंटस से भी हमें बात करनी है। स्टेट गवर्नमेंटस से हम बातचीत कर रहे हैं और तमाम चीजों की हम कोशिश कर रहे हैं। आप हमारी मदद करने के बजाय, हमारी सपोर्ट करने के बजाय वायलेंस के बारे में बात करते हैं। अगर बोम्बे में वायलेंस होगा तो आप भी वहां से भाग जाएंगे, आपकी यूनियन भी वहां से भागने वाली है। फिर आप सेन्टर से कहेंगे कि हमें शेल्टर दो। इस तरह से आपने जो बात छेड़ी है वह ठीक नहीं है। मैं समझता हूं कि श्रीमती इन्दिरा गांधी की प्राइम मिनिस्टर-शिप में मजदूरों के लिए हमारे कदम आगे बढ़ेंगे और उन्हीं कदमों के अन्तर्गत हम लेबरलाज में काफी तब्दीली लाने की कोशिश कर रहे हैं।

श्री रामावतार शास्त्री : ...... के बारे में आपने कुछ नहीं कहा।

श्री टी० अंजय्या : किसी भी चीज के बारे में आपके बोलने की जरूरत नहीं होगी। वह भी हम कर रहे हैं, उसका भी हमें पता है।

COMMITTEE ON PRIVATE MEMBERS' BILLS AND RESOLUTIONS

Sixth Report

SHRI BHEEKHABHAI (Banswara): Sir, I beg to present the Sixth Report of the Committee on Private Members' Bills and Resolutions.

COMMITTEE ON ABSENCE OF MEMBERS

First Report

SHRI XAVIER ARAKAL (Ernakulam): Sir, I beg to present the First Report of the Committee on Absence of Members from the Sittings of the House.

12.39 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) Need for preference in employment to local persons in Mathura Oil Refinery.

श्री दिगम्बर सिंह (मथुरा) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं नियम 377 के अधीन सूचना देते हुए निवेदन करना चाहता हूं कि तेल शोधक कारखाने मथुरा (उ० प्र०) के अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर जनता में गहरा असन्तोष है। वहां की जनता को शिकायत है कि जब तेल शोधक कारखाने की स्थापना हुई थी तो मुख्य मंत्री उत्तर प्रदेश और माननीय प्रधान मंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने मथुरा में बृहत् सभा में घोषणा की थी कि इस कारखाने से देश का हित होगा ही, मथुरा और उत्तर प्रदेश के लोगों को भी काम मिलेगा, बेकारी दूर होगी। जिनकी भूमि जा रही है उनको काम देने में प्राथमिकता दी जायेगी।

अब जनता की शिकायत है कि नौकरी और ठेका अधिकतर बाहर के आदमियों को ही मिल रहे हैं। मथुरा नगरी में बाहर के लोग आकर बसने लगे हैं जिनकी भूमि गई उनको नौकरियों में प्राथमिकता नहीं दी गई और मथुरा जिले और उत्तर प्रदेश के लोगों को भी प्राथमिकता नही दी गई। कारखाने के अधिकारी जो अधिकतर अन्य प्रदेशों के हैं वे अपने क्षेत्र के आदमियों को ही प्राथमिकता देते हैं। इसलिए जनता आन्दोलन कर रही है। अनेक बार लोगों ने आमरण अनशन किए हैं। लिखकर मंत्री जी से शिकायत की है। अब जनता में गहरा असन्तोष है और सत्याग्रह की सम्भावना है। वहां जो सामान कारखाने में प्रयोग हो रहा है उसके सम्बन्ध में आम धारणा है कि घटिया किस्म का है। नौकरियों के सम्बन्ध में आम धारणा है कि उनका नीलाम होता है।

माननीय मंत्री जी वहां जाते हैं तो वहां के संसद् सदस्य तक को पता नहीं लगता। यदि इस ओर सरकार शीघ्र ध्यान नहीं देगी तो वहां बहुत बड़े पैमाने पर आन्दोलन होने की सम्भावना है और कारखाने की प्रगति में बाधा पड़ेगी।